हिंदी सीखो

ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

पाठमाला

TERM - 2

एकीकृत मूल्य आधारित पाठ्यक्रम

मिल्लत फ़ाउंडेशन

फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

MFERD

रेखांकरण

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिच्छेद

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ का संग्रहित विश्लेषण

यह एक तथ्य है कि शिक्षा प्राप्ति के जो तरीक़े अपनाए गए हैं वे छात्रों एवं माता-पिता पर बोझ बनते जा रहे हैं। इस लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ ने पाँच मार्गदर्शक नियमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(i) शिक्षा को पाठशाला के बाहर की दुनिया से जोड़ना ।
(ii) सीखते समय रटने की विधि के हटाने को सुनिश्चित बनाना।
(iii) पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की समृद्धि
(iv) परीक्षा को लचकदार बनाना और कक्षा को जीवन से जोड़ना
(v) संवेदना पूर्ण पोषण एवं चिन्ताशील लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए पहचान बनाना।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा २००५ शिक्षात्मक दृष्टि से।

एक बहुसांस्कृतिक समाज को शिक्षा, मूल्य, मानवता सहनशीलता तथा शांति को बढ़ावा देने योग्य होना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा के भीतर एक ऐसा ढांचा तत्पर किया गया है जो अध्यापकों और पाठशालाओं के अनुभव को प्रयोग में लाते हुए छात्रों की सोच के अनुरूप हो।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम अनुभव के आधार पर तैयार होना चाहिए। परन्तु इस के मुख्य प्रश्न कुछ इस प्रकार हैं।

(i) क्या पाठशाला शिक्षात्मक उद्देश्य को वांछित रूप से पूरा करने का प्रयास कर रहा है?
(ii) शिक्षात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु क्या अवलोकन किया जाना चाहिए।
(iii) इन शिक्षात्मक अवलोकनों को भाववाहक ढंग से किस प्रकार संगठित बनाया जा सकता है?
(iv) वांछित शिक्षात्मक उद्देश्य के समापन को किस प्रकार सुनिश्चित बनाया जाए?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा २००५ के शिक्षात्मक मार्गदर्शक नियम

बढ़ती आयु के साथ-साथ बालक अपने वातावरण से प्राकृतिक रूप से भिन्न कौशल प्राप्त कर लेते हैं। इस के अतिरिक्त वे अपने आस-पास के वातावरण और जीवन का भी अनुसरण करते हैं। जब वे कक्षा में प्रवेश करते हैं तो उन के प्रश्न पाठ्यक्रम को स्थिर और अधिक रचनात्मक बना सकते हैं। ऐसे सुधार स्वीकृत पाठ्यक्रम नियमों के चलन में सहायक होते हैं जो ज्ञात से अज्ञात, तथ्य से कल्पना तथा क्षेत्रीय से वैश्विक की ओर ले जाते हैं।

एम एफ़ ई आर डी की पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा के मार्गदर्शक नियमों पर तैयार की गई हैं। हम चाहते हैं कि NCF की ओर से बनाए गए शिक्षात्मक उद्देश्य के कार्यान्वयन में न केवल हमारे छात्र अपनी पूर्ण भूमिका निभाएँ बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में ईमानदार तथा उत्तरदायी नागरिक बनें । हम गंभीरता एवं विश्वास के साथ इस पाठ्यक्रम पर चले तो छात्रों का व्यक्तित्व निखरेगा जो आगे चल कर दूसरों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन सिद्ध होगा।

एम.एफ़.ई.आर.डी के दृष्टिकोण को जानने हेतु कृपया आप पुस्तक के पिछले पृष्ठ का अध्ययन करें।

परिचय

मिल्लत फ़ाउंडेशन फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक संगठन है जो प्रसार, समन्वय, सहयोग, सहकारिता एवं मुस्लिम शैक्षिक संस्थाओं को एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है। इस प्रकार इस्लामी संविधान की सीमाओं में रहते हुए शैक्षिक मैदान में व्यक्तिगत एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

एम.एफ.ई.आर.डी का उद्देश्य शोध एवं विकास के माध्यम से भिन्न प्रकार की ऐसी चुनौतियों को संबोधित करना एवं उनका समाधान खोजना है जिनका शैक्षिक संगठन सामना कर रहे हैं। इस का एक प्रमुख कार्यक्रम पाठशाला तथा विद्यालय के लिए मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम तत्पर करना है जो भविष्य की पीढ़ी को विशिष्टता के लिए तैयार कर सके।

पाठ्यक्रम सीखने एवं अनुभव करने हेतु जिस के माध्यम से छात्र शिक्षाविदों, गतिविधियों, सीखने के वातावरण, मूल्यांकन, पारस्परिक वार्तालाप जैसे समूह कार्य छात्र अध्यापकों के साथ पाठशाला में प्रवेश के पश्चात से बाहर आने तक करता है। कई वर्ष बच्चे के मनोविज्ञान, शिक्षा में इस्लामी परिप्रेक्ष्य एवं भिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात् एम.एस रिसर्च फ़ाउंडेशन ने मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम बनाया है जो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुकूल है। यह बच्चों के संपूर्ण विकास, स्वयं की पहचान, समय की आवश्यकता तथा उस को भविष्य का मार्ग-दर्शक बनाने में सहयोग देगा।

निम्नलिखित पर आधारित

- उद्देश्य इस्लाम, मनोविज्ञान, शिक्षा तथा हितैशियों के अनुसार।
- पाठ्य-विवरण आयु तथा सरकारी स्तर के अनुकूल।
- कार्यप्रणाली जो छात्र केंद्रित तथा विषय के उपयुक्त साधन में अध्यापकों का प्रशिक्षण, शिक्षण में सहयोगी सामग्री एवं शिक्षक का मार्ग-दर्शन शामिल है।

- मूल्यांकन - रचनात्मक, योगात्मक, स्वयं, सह-शैक्षिक, व्यवहारवादी एवं दीर्घकालिक।
- गतिविधियाँ - पाठ्यक्रमिक, सह-पाठ्यक्रमिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक, आयोजन के लिए दिशा निर्देशन के साथ।
- समय बद्धता - तिथिपत्र, दिन-वर्ष की योजना, काम का बोझ, अवधि विभाजन तथा प्रतियोगिताएँ।
- अवलोकन - प्रतिक्रिया एवं अनुसंधान।

सेन्ट्रल अकेडमी फ़ॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (CARD)

(केन्द्रित प्रशिक्षण शाला विकास एवं शोध खंड) की स्थापना परियोजना बनाने, प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न पाठशालाओं के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु की गई है।

भाषा की योग्यता और कौशल

क्र.स.	पाठ का नाम	विधा	सुन्ना बोलना, समझना और पढ़ना	लिखना	शब्द कोष/व्याकरण	दृश्य श्रव्य कौशलों का विकास	मूल्य
10)	**महान वैज्ञानिक-२**	शिक्षाप्रद कथा	पाठ को शुद्ध उच्चारण में छात्रों से पढ़वाना एवं नए शब्दों के अर्थ को सह पाठियों से चर्चा कराना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, शब्दों के रूप आदेशानुसार लिखना।	शब्द बल, नए शब्दों का भिन्न रूप से अभ्यास कराना।	छात्रों द्वारा कहानी का अभिनय करा कर उस को समझाना।	निरन्तर परिश्रम से जीवन में सफ़लता मिलती है।
11)	**कोयल**	कविता	कविता को लय के साथ पढ़ने का प्रयास तथा शुद्ध उच्चारण पर बल।	कविता में पंक्तियों के भावार्थ एवं वाक्यों के नकारत्मक रूप लिखना।	मीठी बोली, बोलने से फलों में भी मिठास पैदा होती है।	मीठा बोली को हम जीवन का अवियोज्य भाग कैसे बनाएँ।	अच्छी बात को सीखना और हर ओर फेलाना।
12)	**राजा बेलिम**	प्रेरक कथा	पाठ का प्रभावशाली ढंग से वाचन, प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना तथा वचन बदल कर वाक्य लिखना।	नए शब्दों का बोल कर एवं लिख कर अभ्यास कराना।	अंजाने में कोई आप को हनि पहुँचाए तो क्षमा कर देना जैसे गुणों पर बल।	बुराई का बदला भलाई से देना।
13)	**प्रार्थना का परिणाम**	ऐतिहासिक कथा	प्रभावशाली ढंग से पढ़ना एवं मुख्य अंशों की कक्षा में चर्चा करना।	प्रश्नोत्तर एवं परियोजना कार्य	शब्द बल, व्याकरण के अंशों की परिभाषा उदाहरण के साथ	सत्य के संबन्ध में बताना तथा अपने चरित्र को किसी भी चकत्ता से दूर रखना।	स्वयं को बदनामी (कुप्रसिद्धि) से बचाना।
14)	**आज का मानव**	कविता	कविता को स्पष्ट ध्वनि में आरोह अवरोह के साथ पढ़ना।	प्रश्नेत्तर एवं समास के भेद लिखना।	शब्दों के अर्थ याद करना, समास के भेद जानना	मनुष्य को उस का कर्तव्य समझाते हुए किसी रोगी की सहायता कराना।	लोगों से पीड़ा दूर करने का प्रयत्न करना।
15)	**मेधावी चित्रकार**	रोचक कथा	रोचक कथा को भावपूर्ण तथा शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना।	प्रत्यय का उपयोग करना	शब्द के अर्थ याद करना।	विषयानुसार वार्तालाप कराना, विचार-वर्णन सीख बताना। छात्रों द्वारा कक्षा में अभिनय करवाना।	विस्तृत सोच से असुन्दरता को सुन्दरता में परिवर्तित करना।
16)	**सभ्य परिवार**	कल्पनात्मक कथा	कथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन करना	किस ने किस से कहा, (प्रश्नोत्तर) परियोजना कार्य	शब्द बल, शब्दों को बोलकर एवं लिखकर अभ्यास कराना।	प्रेम के महत्व के संबन्ध में कक्षा में चर्चा करना।	पारसपरिक प्रेम एवं सहानुभूति का परिवार पर प्रभाव।
17)	**मकड़ा और मक्खी**	कविता	कविता को उच्च स्वर में लय के साथ पढ़ना।	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थान की पूर्ति परियोजना कार्य	शब्द का अर्थ तथा बताना कि ये किस भाषा के शब्द हैं।	जीवन में हर समय चौकन्ना रहने पर छात्रों से वार्तालाप कराना तथा ऐसी एक और कथा सुनाने के लिए कहना।	सदैव सचेत रहने में ही सुरक्षा है
18)	**रात्रि के सेवक**	प्रेरणात्मक कथा	पाठ को पढ़ना एवं समझना।	प्रश्नों के उत्तर देना, परियोजना कार्य करना।	शब्दों के अर्थ बताना क्योंकि शब्दों के ज्ञान से ही भाषा का विकास होता है।	पूर्वजों के अन्य कार्य जान कर उन पर चर्चा करना।	निष्कपटता एवं गंभीरता से किए गए कार्य का परिणाम।

विषय सूची

१०. महान वैज्ञानिक-२ (शिक्षा प्रद कथा)	१ -	७
११. कोयल (कविता)	८ -	१४
१२. राजा बेलिम (प्रेरक कथा)	१५ -	२०
१३. प्रार्थना का परिणाम (ऐतिहासिक कथा)	२१ -	२७
१४. आज का मानव (कविता)	२८ -	३४
१५. मेधावी चित्रकार (रोचक कथा)	३५ -	४१
१६. सभ्य परिवार (क्लपनात्मक कथा)	४२ -	४८
१७. मकड़ा और मक्खी (कविता)	४९ -	५४
१८. रात्रि के सेवक (श्रम का महत्व)	५५ -	६१

अवधान (Involve)

छात्रों को भावुक रूप से उनके किसी अनुभव से जोड़ना जो पाठ के केन्द्रित विचारों से सम्बन्धित हो।

अध्ययन (Read)

अध्ययन में गद्य एवं पद्य के पाठ सम्मिलित किए गए हैं?

संवेदना (Empathise)

पाठ के चलते छात्रों का ध्यान बनाए रखने एवं वे स्वयं को उसी स्थिति में रखकर विचार करने हेतु प्रश्न करना।

१५

मेधावी चित्रकार

अवधान (Involve) क्या विकलांग मानव को विकलांग (अपाहिज) कहना उचित है?

अध्ययन (Read)

किसी राज्य में एक राजा था। राजा बड़ा बुद्धिमान और प्रतापी था। परन्तु वह विकलांग था। उसकी एक आंख नहीं थी और एक पैर भी नहीं था। राजा अपनी प्रजा से अधिक प्रेम करता था। उस के राज्य में प्रजा बहुत सुखी थी। प्रजा प्रतिदिन किसी न किसी बहाने से राजा का दर्शन करती और अपने आप को धन्य समझती थी।

पहला दृश्य

एक दिन राजा दरबार में बैठे हुए थे। मंत्री सदैव की भांति राजा की प्रशंसा कर रहा था।

राजा : (दुखी स्वर में) मंत्री जी आप तो सदैव ही हमारी सुन्दरता की प्रशंसा करते है। जबकि हम विकलांग है।

मंत्री : महाराज! सुन्दरता वह नहीं जो दूसरों को दिखायी दे। अपितु सुन्दरता वह है जो मनुष्य के भीतर होती है।

तीसरा चित्रकार : मंत्री जी! महाराज राजसिंहासन पर चिंतित बैठे हैं। हम वह चित्र बना सकते हैं, परन्तु .....

(उस की बात पूरी भी नहीं हुई।)

मंत्री : हमारे महाराज शूरवीर और दयालु है इन्हीं गुणों के कारण मनुष्य सभ्य और सुंदर कहलाता है।

चौथा चित्रकार : नहीं मंत्री जी, यदि हम महाराज का सुन्दर चित्र नहीं बना पाये तो वह हमें बंदी बनाकर आजीवन कारागार में डाल देंगे।

पांचवा चित्रकार : हमें कारागार में डाला जा सकता है या फिर हमारे प्राण भी जा सकते हैं।

मंत्री : काम जितना कठिन है पुरस्कार भी उतना बढ़िया है।

संवेदना (Empathise) क्या चित्रकार राजा का सुन्दर चित्र बना पाएगा?

(एक-एक कर के सभी चित्रकार चित्र बनाने से नकार देते हैं। तभी एक चित्रकार जो बड़ा साहसी और चतुर है वह आगे बढ़कर कहता है।)

छटा चित्रकार : मैं बनाऊँगा राजा का चित्र और वह चित्र सुंदर भी होगा।

मंत्री : क्या चित्र राजा को पसंद आएगा।

छटा चित्रकार : हाँ राजा को चित्र अवश्य पसंद आएगा और वह प्रसन्न हो कर पुरस्कार भी देंगे।

तीसरा दृश्य

चित्रकार मंत्री से आज्ञा लेकर जाता है और कार्य आरंभ करता है। कुछ दिन बाद चित्रकार चित्र लिए राज सभा में आता है। राजा, मंत्री, दरबारी और सभी चित्रकार, चित्र देखने के लिए आकुल हैं। चित्र इस प्रकार है। राजा अपना एक पैर मोड़े पृथ्वी पर बैठा है और एक आँख बंद करके अपने शिकार पर निशाना लगा रहा है। जिस से राजा का एक पैर और एक आँख का न होना छिप जाता है। यह देख कर राजा बहुत प्रसन्न होता है। सभी चित्रकार और दरबारी भी अधिक प्रसन्न होते हैं।

चिंतन (Contemplate)

चिंतन – मनन द्वारा छात्रों में समझने की योग्यता, वास्तविकता की पहचान, उनसे परिणाम निकालना तथा प्रश्न के उत्तर देना है?

वार्तालाप (Communicate)

वार्तालाप द्वारा छात्रों मे सुनने और बोलने की क्षमता तथा विचार प्रकट करने की रूचि उत्पन्न करना है।

विश्लेषण (Reflect)

विश्लेषण द्वारा छात्रों में पाठ के शीर्षक की समझ तथा उसके उद्देश्य का ज्ञान युक्तिपूर्ण रूप से कराना है।

विकास (Evolve)

आत्म विश्वास के साथ जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की योग्यता उत्पन्न करना है।

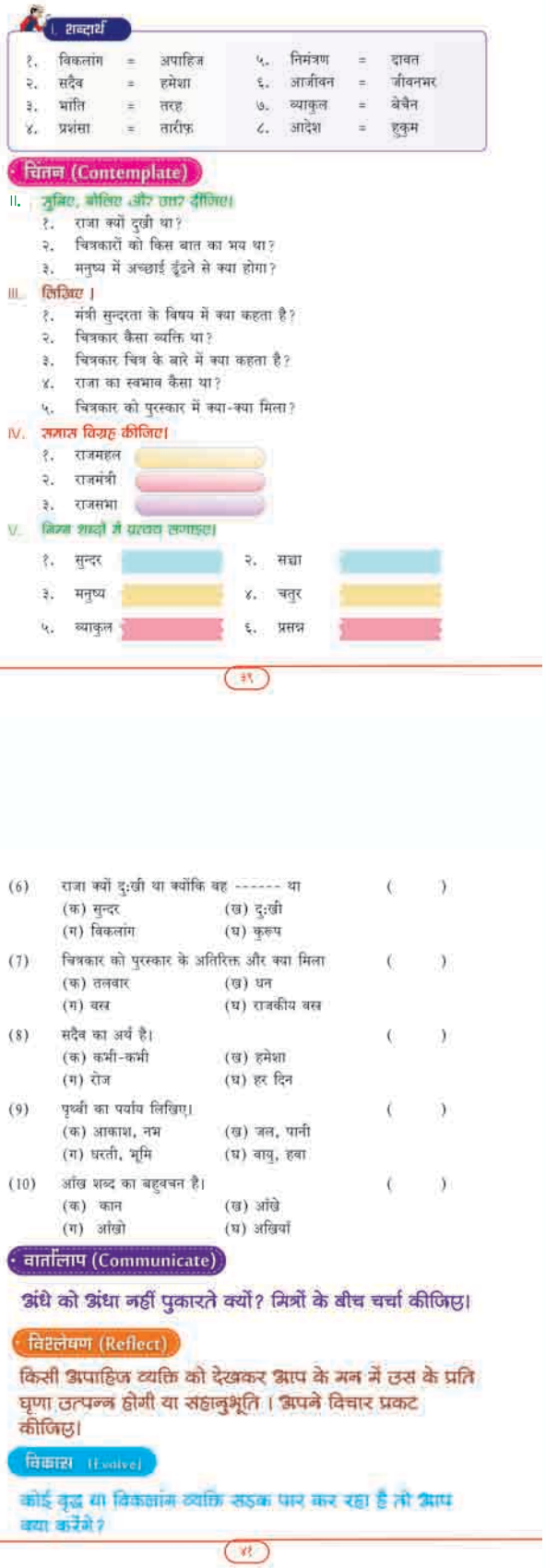

I. शब्दार्थ

१.	विकलांग	=	अपाहिज	५.	निमंत्रण	=	दावत
२.	सदैव	=	हमेशा	६.	आजीवन	=	जीवनभर
३.	भांति	=	तरह	७.	व्याकुल	=	बेचैन
४.	प्रशंसा	=	तारीफ़	८.	आदेश	=	हुकुम

चिंतन (Contemplate)

II. सुनिए, बोलिए और उत्तर दीजिए।

१. राजा क्यों दुखी था?

२. चित्रकारों को किस बात का भय था?

३. मनुष्य में अच्छाई ढूंढने से क्या होगा?

III. लिखिए।

१. मंत्री सुन्दरता के विषय में क्या कहता है?

२. चित्रकार कैसा व्यक्ति था?

३. चित्रकार चित्र के बारे में क्या कहता है?

४. राजा का स्वभाव कैसा था?

५. चित्रकार को पुरस्कार में क्या-क्या मिला?

IV. समास विग्रह कीजिए।

१. राजमहल

२. राजमंत्री

३. राजसभा

V. निम्न शब्दों में प्रत्यय लगाइए।

१. सुन्दर		२. सच्चा	
३. मनुष्य		४. चतुर	
५. व्याकुल		६. प्रसन्न	

३९

(6) राजा क्यों दु:खी था क्योंकि वह ------ था ( )

(क) सुन्दर (ख) दु:खी

(ग) विकलांग (घ) कुरूप

(7) चित्रकार को पुरस्कार के अतिरिक्त और क्या मिला ( )

(क) तलवार (ख) धन

(ग) वस्त्र (घ) राजकीय वस्त्र

(8) सदैव का अर्थ है। ( )

(क) कभी-कभी (ख) हमेशा

(ग) रोज (घ) हर दिन

(9) पृथ्वी का पर्याय लिखिए। ( )

(क) आकाश, नभ (ख) जल, पानी

(ग) धरती, भूमि (घ) वायु, हवा

(10) आँख शब्द का बहुवचन है। ( )

(क) कान (ख) आंखे

(ग) आंखो (घ) अखियाँ

वार्तालाप (Communicate)

अंधे को अंधा नहीं पुकारते क्यों? मित्रों के बीच चर्चा कीजिए।

विश्लेषण (Reflect)

किसी अपाहिज व्यक्ति को देखकर आप के मन में उस के प्रति घृणा उत्पन्न होगी या सहानुभूति। अपने विचार प्रकट कीजिए।

विकास (Evolve)

कोई वृद्ध या विकलांग व्यक्ति सड़क पार कर रहा है तो आप क्या करेंगे?

४१

१०

महान वैज्ञानिक-१

अवधान (Involve)

यदि किसी महान पुरुष से मिलने का अवसर मिला तो आप क्या करेंगे ?

अध्ययन (Read)

डॉ. कलाम का पूरा नाम ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (अवुल पाकिर जैनुल आबिदीन) (सही उच्चारण: अबुल फ़ाख़िर ज़ैनुल आबिदीन अबुल कलाम) था। उनका जन्म 15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम क़स्बे (गाँव) के एक मध्य वर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता ज़ैनुल आबिदीन एक नाविक थे। वह पाँच समय के नमाज़ी थे और दूसरों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते थे।

कलाम की माता का नाम आइशा अम्मा था। वह एक धार्मिक और दयालु महिला थीं। सात भाई बहनों वाले परिवार में कलाम सबसे छोटे थे।

पाँच वर्ष की अवस्था (आयु) में कलाम की प्राथमिक शिक्षा रामेश्वरम में प्रारम्भ हुई। उनकी प्रतिभा को देखकर उनके शिक्षक बहुत प्रभावित हुए और उनसे विशेष स्नेह रखने लगे।

कलाम का बचपन बड़ा संघर्षपूर्ण था। वह प्रतिदिन सुबह (प्रात: काल) चार बजे उठकर गणित का ट्यूशन पढ़ने जाया करते थे। वहाँ से पाँच बजे लौटने के पश्चात् वह अपने पिता के साथ फ़ज्र की नमाज़ पढ़ते। फिर घर से तीन किलो मीटर दूर स्थित धनुषकोडी रेलवे स्टेशन से समाचार पत्र लाते और पैदल या साइकिल पर घूम-घूम कर

संवेदना (Empathise)

क्या कलाम को उनके परिश्रम का फल मिलेगा?

बेचते थे। आठ बजे घर लौट कर तैयार होते और स्कूल जाया करते थे।

प्राथमिक स्कूल के बाद कलाम ने श्वार्टज़ हाई स्कूल रामनाथ पुरम में प्रवेश लिया। उस के बाद तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ़ कॉलेज से भौतिक एवं गणित विषयों में बी.एस.सी की डिग्री प्राप्त की। अध्यापकों के परामर्श पर कलाम ने मद्रास इस्टीयट्यूट ऑफ़ टेक्नॉलोजी (एम.आई.टी) एरोस्पेस इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की।

पढ़ाई पूरी करने के बाद कलाम रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO, Defence Research and Development organisation) में वैज्ञानिक के तौर पर भर्ती हुए। डॉ.कलाम ने अपने कैरियर का आरंभ भारतीय सेना के लिए एक छोटे हेलीकाप्टर का डिज़ाइन बना कर किया।

डॉ. कलाम भारत के मिज़ाइल प्रोग्राम के पिता कहलाते हैं। इसीलिए उन्हें मिज़ाइल मेन भी कहा जाता है। उन्होंने पृथ्वी, त्रिशूल, आकाश और अग्नि जैसे बड़े-बड़े मिज़ाइल बनाए। उन्हें पीपल्स प्रेसिडेंट, लोगों के राष्ट्रपति भी कहा जाता है। राष्ट्रपति रहते हुए भी वह हर एक से मिलते थे। कलाम की उपलब्धियों को देख कर भारत सरकार ने उन्हें बड़े-बड़े पुरस्कार जैसे पद्म भूषण, पद्म विभूषण एवं भारत के सब से बड़े पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित

संवेदना (Empathise)

उच्च पद की प्राप्ति पर आप क्या करेंगे?

किया। 25 जुलाई 2002 को उन्हें भारत का राष्ट्रपति भी चुना गया।

डॉ. कलाम ने कई किताबें लिखीं जिन में विंग्स ऑफ़ फ़ायर, इग्नाइटेड माइंड्स अधिक प्रसिद्ध हैं। उनका पूरा जीवन विज्ञान सीखने-सिखाने, लोगों को विशेष रूप से युवाओं को हर समय कार्य करने के लिए प्रेरित एवं उत्तेजित करने में व्यतीत हुआ।

एक छोटी आयु के छात्र से लेकर-वैज्ञानिक बनने और फिर राष्ट्रपति के पद पर बैठने के बाद भी डॉ. कलाम ने कभी चैन की साँस नहीं ली। बल्कि हर समय एक ही धुन सवार थी काम-और-काम। फिर क़ुदरत को भी उन पर दया आई और उन्हें विश्राम का भरपूर अवसर देने के लिए उन्हें अपने पास बुला लिया। 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबन्धन संस्थान (Indian Institute of Management) में अध्यापन कार्य के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा जिस के बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ. कलाम सदैव के लिए विश्राम की गोद में चले गए।

किसी ने सच ही कहा है कि, जो मनुष्य इंसानों को इतना प्यारा हो वह अल्लाह को प्यारा क्यों न होगा।

I. शब्दार्थ

१.	नाविक	=	नाव चलाने वाला
२.	धार्मिक	=	धर्म से संबंध रखने वाला
३.	प्रतिभा	=	क्षमता, क़ाबिलियत
४.	गणित	=	हिसाब
५.	पुरस्कार	=	इनाम
६.	विश्राम	=	आराम

चिंतन (Contemplate)

II. सुनिए और बोलिए ।

१. ए.पी.जे कलाम का पूरा नाम क्या है?
२. मिज़ाइल प्रोग्राम के पिता किसे कहते हैं?
३. कलाम प्रतिदिन सुबह कितने बजे उठते थे?

III. लिखिए ।

१. अब्दुल कलाम का जन्म कब और कहाँ हुआ?
२. कलाम के माता-पिता का नाम क्या था?
३. ए.पी.जे. कलाम की जीविनी पर पाँच वाक्य लिखिए।
४. भारत देश के लिए डॉ. कलाम का क्या योगदान है?
५. भारतीय वैज्ञानिकों में डॉ.कलाम का क्या स्थान है? लिखिए।

भाषा का ज्ञान

IV. विलोम शब्द लिखिए।

सम्मानित	X	
जीवन	X	
युवा	X	
प्रसिद्ध	X	

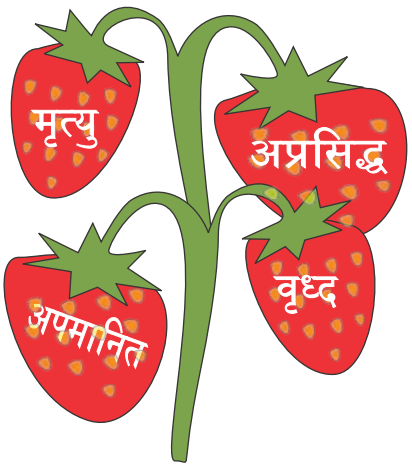

V. निम्नलिखित मुहावरे हाथ से संबंधित हैं। उनके अर्थ जानिए और प्रत्येक मुहावरे से वाक्य बनाइए।

१. हाथ पाँव मारना = बहुत प्रयत्न करना
२. हाथ साफ़ करना = चोरी करना
३. हाथ बढ़ाना = सहायता करना